



प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' शुरू की, जो एक नवाचारी सरकारी पहल है जिसका उद्देश्य देश में एक करोड़ घरों की छत पर सौर ऊर्जा प्रणाली या रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित करना है।

रूफटॉप सोलर पैनल क्या है?

- **परिचय:** रूफटॉप सोलर एक [फोटोवोल्टिक प्रणाली](#) है जिसमें वदियुत उत्पादन करने वाले सौर पैनल आवासीय या व्यावसायिक भवन या संरचना की छत पर लगे होते हैं।
- **लाभ:** यह **ग्रिड से जुड़ी वदियुत** की खपत को **कम** करता है और उपभोक्ता के लिये वदियुत की लागत बचाता है।
 - रूफटॉप सोलर प्लांट से उत्पन्न अधिशेष सौर ऊर्जा इकाइयों को मीटरिंग प्रवाधानों के अनुसार ग्रिड में नरियात किया जा सकता है।
 - उपभोक्ता प्रचलित नियमों के अनुसार अधिशेष नरियातित वदियुत के लिये मौद्रिक लाभ प्राप्त कर सकता है।
- **संबंधित सरकारी पहल:** सरकार ने वर्ष 2014 में [रूफटॉप सोलर प्रोग्राम](#) लॉन्च किया, जिसका लक्ष्य वर्ष 2022 तक 40,000 मेगावाट (MW) या 40 गीगावाट (GW) की संचयी संस्थापित क्षमता हासिल करना था।
 - हालाँकि यह लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सका। परिणामस्वरूप, सरकार ने समय-सीमा वर्ष 2022 से बढ़ाकर वर्ष 2026 कर दी।
 - कुछ रिपोर्टों के अनुसार, प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना 40 गीगावाट रूफटॉप सोलर क्षमता के लक्ष्य तक पहुँचने में मदद करने का एक बड़ा प्रयास है।

भारत की मौजूदा सौर क्षमता की क्या स्थिति है?

- **भारत की वर्तमान सौर क्षमता:**
 - रूफटॉप सौर क्षमता: दिसंबर 2023 तक छत पर लगाए गए/रूफटॉप सोलर प्रणाली की कुल क्षमता लगभग 11.08 गीगावाट है।
 - गुजरात 2.8 गीगावाट के साथ सूची में शीर्ष पर है जिसके बाद महाराष्ट्र 1.7 गीगावाट की क्षमता के साथ दूसरे स्थान पर है।
 - [ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद \(Council on Energy, Environment and Water- CEEW\)](#) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार कुल रूफटॉप सोलर प्रणाली की मात्र 20% स्थापनाएँ आवासीय क्षेत्र में की गई हैं तथा अधिकांश रूफटॉप सोलर प्रणाली वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों में हैं।
 - रिपोर्ट के अनुसार भारत के 25 करोड़ घर छतों पर कुल 637 गीगावाट की क्षमता की सोलर प्रणाली स्थापित कर सकते हैं तथा इसकी कुल क्षमता का मात्र एक-तह हिस्सा देश में संपूर्ण आवासीय क्षेत्रों की वदियुत की मांग को पूरा कर सकता है।
 - स्थापित सोलर प्रणाली की कुल क्षमता: नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार दिसंबर 2023 तक भारत में छतों पर [स्थापित सोलर प्रणाली की क्षमता](#) लगभग 73.31 गीगावाट तक पहुँच गई है।
 - कुल सौर क्षमता के मामले में राजस्थान 18.7 गीगावाट के साथ शीर्ष पर है। गुजरात 10.5 गीगावाट के साथ दूसरे स्थान पर है।
 - छत पर स्थापित सोलर प्रणाली क्षमता के संदर्भ में गुजरात 2.8 गीगावाट के साथ सूची में सबसे ऊपर है इसके बाद महाराष्ट्र 1.7 गीगावाट के साथ दूसरे स्थान पर है।

भारत की बढ़ती ऊर्जा मांग

- **अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (International Energy Agency)** के अनुसार भारत को अगले तीन दशकों में वैश्विक स्तर पर ऊर्जा मांग में सबसे अधिक वृद्धि का अनुभव करना पड़ सकता है।
 - कोयला उत्पादन में वृद्धि के बावजूद भारत [वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता](#) हासिल करने के लिये प्रतियोगिता है।
- इसके अलावा, देश का लक्ष्य वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 50% वदियुत ऊर्जा उत्पादन का है, जो पहले ही 43% तक पहुँच चुका है जिसमें कुल स्थापित क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा का योगदान 30% है।
 - बढ़ती वदियुत ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिये नवीकरणीय क्षमता, विशेषकर सौर ऊर्जा में तेजी से वृद्धि आवश्यक है।

सौर ऊर्जा का प्रयोग करने के लिये अन्य सरकारी पहल क्या हैं?

- राष्ट्रीय सौर मशिन
- सौर ऊर्जा पार्क योजना
- किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्तमान महाभयिन (PM-KUSUM)
- सूर्यमत्तिर कौशल वकिस कार्यक्रम
- अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2016)

1. अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance) को वर्ष 2015 के संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में प्रारंभ किया गया था।
2. इस गठबंधन में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देश सम्मिलित हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)

?????

प्रश्न. भारत में सौर ऊर्जा की प्रचुर संभावनाएँ हैं, हालाँकि इसके विकास में कषेत्तीय भन्नताएँ हैं। वसतुत वर्णन कीजयि। (2020)

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में गोल्डन टाइगर

सरोतः द हृदि

हाल ही में **काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (KNP)** में एक **दरलभ सुनहरे रंग के बाघ** को देखा गया।

गोल्डन टाइगर के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **गोल्डन टाइगर** (जसिं गोल्डन टैबी टाइगर के रूप में भी जाना जाता है) सफेद और **काले बाघों** की तरह एक अलग उप-प्रजाति नहीं, **बल्कि सफ़ेद दुरलभ रंग-रूप की प्रजाति है**।
 - वे वन और कैद (captive) में भी साधारण रूप से दुरलभ हैं ।
- KNP में देखे गए **गोल्डन टाइगर** **बंगाल टाइगर** का **दुरलभ रंग-रूप** है जो **"वाइडबैंड"** नामक अप्रभावी **???** **??** **???** होता है ।
 - यह **जीन** बालों के विकास चक्र के दौरान **काले रंग** के उत्पादन को प्रभावित करता है ।
- बाघ आमतौर पर तीन रंग का होता है: **काला, नारंगी और सफेद** । **सुनहरे बाघ** में काला रंग अनुपस्थिति होता है और हलका नारंगी रंग दिखाई देता है ।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (Panthera Tigris) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- * महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- * सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोण्डाईका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन,
सदाबहार वन,
समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव
दलदल, घास के
मैदान और सवाना



देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES: परिशिष्ट-I
- WPA 1972: अनुसूची-I

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिए (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
 - ◆ वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
 - ◆ मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिजर्व हैं
 - ◆ नवीनतम टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
 - ◆ नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।



काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

- वर्ष 1908 में नरिमति काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (KNP) असम राज्य के गोलाघाट और नागोअन ज़िले में देश के उत्तर पूर्वी हिस्से के किनारे पर स्थित है। इसे वर्ष 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
 - वर्ष 1985 में इस पार्क को **यूनेस्को** द्वारा **वशिव धरोहर स्थल** घोषित किया गया था और वर्ष 2006 में इसे **टाइगर रिजर्व** घोषित किया गया था।
- यह **बरहमपुत्र घाटी** बाढ़ के मैदान में **एकमात्र सबसे बड़ा अवभाजित और प्रतिनिधि** क्षेत्र है।
- KNP में मुख्य रूप से चार प्रकार की वनस्पतियाँ पायी जाती हैं, जैसे-जलोढ़ जलमग्न घास के मैदान, जलोढ़ सवाना वन, उष्णकटिबंधीय नम मशरिति परणपाती वन और उष्णकटिबंधीय अर्ध-सदाबहार वन।
- यह 2200 से अधिक **भारतीय एक सींग वाले गैंडों** का निवास स्थान है, जो उनकी संपूर्ण वंशवृद्धि आबादी का लगभग 2/3 हिस्सा हैं।
- KNP में **बाघ, हाथी, जंगली जल भैंस और भालू** के साथ-साथ **गंगा नदी डॉल्फिन** सहित जलीय प्रजातियाँ सहित अन्य संकटग्रस्त प्रजातियों की महत्वपूर्ण आबादी है। प्रवासी पक्षियों के लिये यह एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।



7 NATIONAL PARKS IN ASSAM

- 6th : Raimona National Park (Notified in 2021)
- 7th : Dihing Patkai National Park (Notified in June 2021)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न 100:

प्रश्न. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2013)

राष्ट्रीय उद्यान - पार्क से बहने वाली नदी

- | | | |
|----------------------------------|---|--------|
| 1. कॉरबेट राष्ट्रीय उद्यान | - | गंगा |
| 2. काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान | - | मानस |
| 3. साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान | - | कावेरी |

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (d)

प्रश्न. निम्नलिखित बाघ आरक्षित क्षेत्रों में से "क्रांतिकि बाघ आवास (Critical Tiger Habitat)" के अंतर्गत सबसे बड़ा क्षेत्र किसके पास है? (2020)

- (a) कोरबेट
- (b) रणथंभौर
- (c) नागार्जुनसागर-श्रीशैलम
- (d) सुंदरबन

उत्तर: (c)

??????

प्रश्न. "वभिन्न प्रतस्पर्द्धी क्षेत्रों और हतिधारकों के बीच नीतगित वरिधाभासों के परणामस्वरूप पर्यावरण के अपर्याप्त 'संरक्षण एवं गरिब की रोकथाम' हुई है।" परासंगकि दृष्टांतों के साथ टपिपणी कीजयि। (2018)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/current-affairs-news-analysis-editorials/prelims-facts/30-01-2024/print>

